भारत सरकार
भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय
भारी उद्योग विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1640
जिसका उत्तर बुधवार 30 नवंबर, 2016 को दिया जाना है

आंध्र प्रदेश के चित्तूर में स्थित एनटीपीसी-भेल विद्युत संयंत्र का स्थानांतरण

1640. डॉ. के. वी. पी. रामचन्द्र राव:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले में मानावरम स्थित एनटीपीसी-भेल विद्युत संयंत्र को किसी अन्य राज्य में स्थानांतरित किया जा रहा है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या यह सच है कि परियोजना का कार्य बहुत धीमी गति से चल रहा है;

(ग) इस परियोजना में कितना निवेश प्रस्तावित था और अभी तक कितना निवेश किया गया; और

(घ) परियोजना की वर्तमान स्थिति क्या है और परियोजना कब तक पूरी होगी?

उत्तर
भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्य मंत्री
(श्री बाबुल सुप्रियो)

(क): जी, नहीं।

(ख): यह संयंत्र प्रचालन में है और इसने मई, 2015 से वाणिज्यिक उत्पादन करना शुरू कर दिया है।

(ग): बीएचईएल और एनबीपीपीएल ने सूचित किया है कि एनबीपीपीएल ने दो चरणों में ₹6,000 के निवेश की परिकल्पना के साथ अप्रैल, 2010 में एक कारोबार योजना तैयार की है जिसका ब्यौरा निम्नवत है:-

विवरण	₹ करोड़ में
चरण-I : ईपीसी (इंजीनियरिंग, अधिप्राप्ति और निर्माण) और कोल हैंडलिंग प्लांट के लिए विनिर्माण सुविधाएं (सीएचपी) और ऐश हैंडलिंग प्लांट (एएचपी)	1,200
चरण-II : बॉयलर, टर्बाइन और जेनरेटर (बीटीजी) के लिए विनिर्माण सुविधाएं।	4,800

एनबीपीपीएल बोर्ड ने मार्च, 2011 में व्यापार परिदृश्य की समीक्षा की और पाया कि इस दौरान अलग-अलग संयुक्त उद्यम कंपनी (जेवीसी) के माध्यम से बहुत से कारोबारियों ने बीटीजी इक्विपमेंट विनिर्माण के क्षेत्र में पहले ही कदम रख दिया है जो वस्तुतः एनबीपीपीएल के चरण-II के विनिर्माण क्रियाकलापों के अनुरूप भी था। इसके बाद, एनबीपीपीएल बोर्ड ने केवल चरण-I पर ध्यान केन्द्रित करने का निर्णय लिया। तत्पश्चात्, एनबीपीपीएल ने उत्पादन लागत मितव्ययिता सहित निवेश का पुनः आंकलन किया और जुलाई, 2015 की इसकी मसौदा व्यवहार्यता रिपोर्ट में चरण-I के लिए ₹363.94 करोड़ के निवेश का अनुमान लगाया है।

कोल हैंडलिंग प्लांट (सीएचपी) के विनिर्माण सहित मुख्य रूप से सुविधाओं को स्थापित करने के लिए ₹127.81 करोड़ का पूंजी निवेश एनबीपीपीएल द्वारा पहले ही कर दिया गया है जिसके लिए ₹100 करोड़ का अंशदान इसकी दो प्रवर्तक कंपनियों (अर्थात् एनटीपीसी और बीएचईएल, प्रत्येक द्वारा ₹50 करोड़) दिया गया है।

(घ): मन्नावरम में विनिर्माण संयंत्र प्रचालन में है और इसने मई, 2015 से वाणिज्यिक उत्पादन शुरू कर दिया है। अवसंरचना, प्रौद्योगिकी सहयोग और मशीनरी पर ₹127.81 करोड़ निवेश किए गए हैं। चरण-I के लिए परिकल्पित सभी मशीनें प्रारंभ हो चुकी हैं।

****